Hanuman Bahuk Lyrics PDF

श्रीगणेशाय नमः
श्रीजानकीवल्लभो विजयते
श्रीमद्-गोस्वामी-तुलसीदास-कृत

छप्पय

सिंधु-तरन, सिय-सोच-हरन, रबि-बाल-बरन तनु ।
भुज बिसाल, मूरति कराल कालहुको काल जनु ।।
गहन-दहन-निरदहन लंक निःसंक, बंक-भुव ।
जातुधान-बलवान-मान-मद-दवन पवनसुव ।।
कह तुलसिदास सेवत सुलभ सेवक हित सन्तत निकट ।
गुन-गनत, नमत, सुमिरत, जपत समन सकल-संकट-विकट ।।१।।

स्वर्न-सैल-संकास कोटि-रबि-तरुन-तेज-घन ।
उर बिसाल भुज-दंड चंड नख-बज्र बज्र-तन ।।
पिंग नयन, भृकुटी कराल रसना दसनानन ।
कपिस केस, करकस लँगूर, खल-दल बल भानन ।।
कह तुलसिदास बस जासु उर मारुतसुत मूरति बिकट ।
संताप पाप तेहि पुरुष पहिं सपनेहुँ नहिं आवत निकट ।।२।।

झूलना

पंचमुख-छमुख-भृगु मुख्य भट असुर सुर, सर्व-सरि-समर समरत्थ सूरो ।
बाँकुरो बीर बिरुदैत बिरुदावली, बेद बंदी बदत पैजपूरो ।।
जासु गुनगाथ रघुनाथ कह, जासुबल, बिपुल-जल-भरित जग-जलधि झूरो ।
दुवन-दल-दमनको कौन तुलसीस है, पवन को पूत रजपूत रुरो ।।३।।

घनाक्षरी

भानुसों पढ़न हनुमान गये भानु मन-अनुमानि सिसु-केलि कियो फेरफार सो ।
पाछिले पगनि गम गगन मगन-मन, क्रम को न भ्रम, कपि बालक बिहार सो ।।
कौतुक बिलोकि लोकपाल हरि हर बिधि, लोचननि चकाचौंधी चित्तनि खभार सो।
बल कैंधौं बीर-रस धीरज कै, साहस कै, तुलसी सरीर धरे सबनि को सार सो ।।४।।

भारत में पारथ के रथ केथू कपिराज, गाज्यो सुनि कुरुराज दल हल बल भो ।
कह्यो द्रोन भीषम समीर सुत महाबीर, बीर-रस-बारि-निधि जाको बल जल भो ।।
बानर सुभाय बाल केलि भूमि भानु लागि, फलँग फलाँग हूँतें घाटि नभतल भो ।
नाई-नाई माथ जोरि-जोरि हाथ जोधा जोहैं, हनुमान देखे जगजीवन को फल भो ।।५।।

गो-पद पयोधि करि होलिका ज्यों लाई लंक, निपट निसंक परपुर गलबल भो ।
द्रोन-सो पहार लियो ख्याल ही उखारि कर, कंदुक-ज्यों कपि खेल बेल कैसो फल भो ।।
संकट समाज असमंजस भो रामराज, काज जुग पूगनि को करतल पल भो ।
साहसी समत्थ तुलसी को नाह जाकी बाँह, लोकपाल पालन को फिर थिर थल भो ।।६।।

कमठ की पीठि जाके गोडनि की गाड़ैं मानो, नाप के भाजन भरि जल निधि जल भो ।
जातुधान-दावन परावन को दुर्ग भयो, महामीन बास तिमि तोमनि को थल भो ।।
कुम्भकरन-रावन पयोद-नाद-ईंधन को, तुलसी प्रताप जाको प्रबल अनल भो ।
भीषम कहत मेरे अनुमान हनुमान, सारिखो त्रिकाल न त्रिलोक महाबल भो ।।७।।

दूत रामराय को, सपूत पूत पौनको, तू अंजनी को नन्दन प्रताप भूरि भानु सो ।
सीय-सोच-समन, दुरित दोष दमन, सरन आये अवन, लखन प्रिय प्रान सो ।।
दसमुख दुसह दरिद्र दरिबे को भयो, प्रकट तिलोक ओक तुलसी निधान सो ।
ज्ञान गुनवान बलवान सेवा सावधान, साहेब सुजान उर आनु हनुमान सो ।।८।।

दवन-दुवन-दल भुवन-बिदित बल, बेद जस गावत बिबुध बंदीछोर को ।
पाप-ताप-तिमिर तुहिन-विघटन-पटु, सेवक-सरोरुह सुखद भानु भोर को ।।
लोक-परलोक तें बिसोक सपने न सोक, तुलसी के हिये है भरोसो एक ओर को ।
राम को दुलारो दास बामदेव को निवास, नाम कलि-कामतरु केसरी-किसोर को ।।९।।

महाबल-सीम महाभीम महाबान इत, महाबीर बिदित बरायो रघुबीर को ।
कुलिस-कठोर तनु जोरपरै रोर रन, करुना-कलित मन धारमिक धीर को ।।
दुर्जन को कालसो कराल पाल सज्जन को, सुमिरे हरनहार तुलसी की पीर को ।
सीय-सुख-दायक दुलारो रघुनायक को, सेवक सहायक है साहसी समीर को ।।१०।।

रचिबे को बिधि जैसे, पालिबे को हरि, हर मीच मारिबे को, ज्याईबे को सुधापान भो ।
धरिबे को धरनि, तरनि तम दलिबे को, सोखिबे कृसानु, पोषिबे को हिम-भानु भो ।।
खल-दुःख दोषिबे को, जन-परितोषिबे को, माँगिबो मलीनता को मोदक सुदान भो ।
आरत की आरति निवारिबे को तिहुँ पुर, तुलसी को साहेब हठीलो हनुमान भो ।।११।।

सेवक स्योकाई जानि जानकीस मानै कानि, सानुकूल सूलपानि नवै नाथ नाँक को ।
देवी देव दानव दयावने ह्वै जोरैं हाथ, बापुरे बराक कहा और राजा राँक को ।।
जागत सोवत बैठे बागत बिनोद मोद, ताके जो अनर्थ सो समर्थ एक आँक को ।
सब दिन रुरो परै पूरो जहाँ-तहाँ ताहि, जाके है भरोसो हिये हनुमान हाँक को ।।१२।।

सानुग सगौरि सानुकूल सूलपानि ताहि, लोकपाल सकल लखन राम जानकी ।
लोक परलोक को बिसोक सो तिलोक ताहि, तुलसी तमाइ कहा काहू बीर आनकी ।।
केसरी किसोर बन्दीछोर के नेवाजे सब, कीरति बिमल कपि करुनानिधान की ।
बालक-ज्यों पालिहैं कृपालु मुनि सिद्ध ताको, जाके हिये हुलसति हाँक हनुमान की ।।१३।।

करुनानिधान, बलबुद्धि के निधान मोद-महिमा निधान, गुन-ज्ञान के निधान हौ ।
बामदेव-रुप भूप राम के सनेही, नाम लेत-देत अर्थ धर्म काम निरबान हौ ।।
आपने प्रभाव सीताराम के सुभाव सील, लोक-बेद-बिधि के बिदूष हनुमान हौ ।
मन की बचन की करम की तिहूँ प्रकार, तुलसी तिहारो तुम साहेब सुजान हौ ।।१४।।

मन को अगम, तन सुगम किये कपीस, काज महाराज के समाज साज साजे हैं ।
देव-बंदी छोर रनरोर केसरी किसोर, जुग जुग जग तेरे बिरद बिराजे हैं ।
बीर बरजोर, घटि जोर तुलसी की ओर, सुनि सकुचाने साधु खल गन गाजे हैं ।
बिगरी सँवार अंजनी कुमार कीजे मोहिं, जैसे होत आये हनुमान के निवाजे हैं ।।१५।।

सवैया

जान सिरोमनि हौ हनुमान सदा जन के मन बास तिहारो ।
ढ़ारो बिगारो मैं काको कहा केहि कारन खीझत हौं तो तिहारो ।।
साहेब सेवक नाते तो हातो कियो सो तहाँ तुलसी को न चारो ।
दोष सुनाये तें आगेहुँ को होशियार ह्वैं हों मन तौ हिय हारो ।।१६।।

तेरे थपे उथपै न महेस, थपै थिरको कपि जे घर घाले ।
तेरे निवाजे गरीब निवाज बिराजत बैरिन के उर साले ।।
संकट सोच सबै तुलसी लिये नाम फटै मकरी के से जाले ।
बूढ़ भये, बलि, मेरिहि बार, कि हारि परे बहुतै नत पाले ।।१७।।

सिंधु तरे, बड़े बीर दले खल, जारे हैं लंक से बंक मवा से ।
तैं रनि-केहरि केहरि के बिदले अरि-कुंजर छैल छवा से ।।
तोसों समत्थ सुसाहेब सेई सहै तुलसी दुख दोष दवा से ।
बानर बाज ! बढ़े खल-खेचर, लीजत क्यों न लपेटि लवा-से ।।१८।।

अच्छ-विमर्दन कानन-भानि दसानन आनन भा न निहारो ।
बारिदनाद अकंपन कुंभकरन्न-से कुंजर केहरि-बारो ।।
राम-प्रताप-हुतासन, कच्छ, बिपच्छ, समीर समीर-दुलारो ।
पाप-तें साप-तें ताप तिहूँ-तें सदा तुलसी कहँ सो रखवारो ।।१९।।

घनाक्षरी

जानत जहान हनुमान को निवाज्यौ जन, मन अनुमानि बलि, बोल न बिसारिये ।
सेवा-जोग तुलसी कबहुँ कहा चूक परी, साहेब सुभाव कपि साहिबी सँभारिये ।।
अपराधी जानि कीजै सासति सहस भाँति, मोदक मरै जो ताहि माहुर न मारिये ।
साहसी समीर के दुलारे रघुबीर जू के, बाँह पीर महाबीर बेगि ही निवारिये ।।२०।।

बालक बिलोकि, बलि बारेतें आपनो कियो, दीनबन्धु दया कीन्हीं निरुपाधि न्यारिये ।
रावरो भरोसो तुलसी के, रावरोई बल, आस रावरीयै दास रावरो बिचारिये ।।
बड़ो बिकराल कलि, काको न बिहाल कियो, माथे पगु बलि को, निहारि सो निवारिये ।
केसरी किसोर, रनरोर, बरजोर बीर, बाँहुपीर राहुमातु ज्यौं पछारि मारिये ।।२१।।

उथपे थपनथिर थपे उथपनहार, केसरी कुमार बल आपनो सँभारिये ।
राम के गुलामनि को कामतरु रामदूत, मोसे दीन दूबरे को तकिया तिहारिये ।।
साहेब समर्थ तोसों तुलसी के माथे पर, सोऊ अपराध बिनु बीर, बाँधि मारिये ।
पोखरी बिसाल बाँहु, बलि, बारिचर पीर, मकरी ज्यौं पकरि कै बदन बिदारिये ।।२२।।

राम को सनेह, राम साहस लखन सिय, राम की भगति, सोच संकट निवारिये ।
मुद-मरकट रोग-बारिनिधि हेरि हारे, जीव-जामवंत को भरोसो तेरो भारिये ।।
कूदिये कृपाल तुलसी सुप्रेम-पब्बयतें, सुथल सुबेल भालू बैठि कै बिचारिये ।
महाबीर बाँकुरे बराकी बाँह-पीर क्यों न, लंकिनी ज्यों लात-घात ही मरोरि मारिये ।।२३।।

लोक-परलोकहुँ तिलोक न बिलोकियत, तोसे समरथ चष चारिहूँ निहारिये ।
कर्म, काल, लोकपाल, अग-जग जीवजाल, नाथ हाथ सब निज महिमा बिचारिये ।।
खास दास रावरो, निवास तेरो तासु उर, तुलसी सो देव दुखी देखियत भारिये ।
बात तरुमूल बाँहुसूल कपिकच्छु-बेलि, उपजी सकेलि कपिकेलि ही उखारिये ।।२४।।

करम-कराल-कंस भूमिपाल के भरोसे, बकी बकभगिनी काहू तें कहा डरैगी ।
बड़ी बिकराल बाल घातिनी न जात कहि, बाँहूबल बालक छबीले छोटे छरैगी ।।
आई है बनाइ बेष आप ही बिचारि देख, पाप जाय सबको गुनी के पाले परैगी ।
पूतना पिसाचिनी ज्यौं कपिकान्ह तुलसी की, बाँहपीर महाबीर तेरे मारे मरैगी ।।२५।।

भालकी कि कालकी कि रोष की त्रिदोष की है, बेदन बिषम पाप ताप छल छाँह की ।
करमन कूट की कि जन्त्र मन्त्र बूट की, पराहि जाहि पापिनी मलीन मन माँह की ।।
पैहहि सजाय, नत कहत बजाय तोहि, बाबरी न होहि बानि जानि कपि नाँह की ।
आन हनुमान की दुहाई बलवान की, सपथ महाबीर की जो रहै पीर बाँह की ।।२६।।

सिंहिका सँहारि बल, सुरसा सुधारि छल, लंकिनी पछारि मारि बाटिका उजारी है ।
लंक परजारि मकरी बिदारि बारबार, जातुधान धारि धूरिधानी करि डारी है ।।
तोरि जमकातरि मंदोदरी कढ़ोरि आनी, रावन की रानी मेघनाद महँतारी है ।

भीर बाँह पीर की निपट राखी महाबीर, कौन के सकोच तुलसी के सोच भारी है ।।२७।।

तेरो बालि केलि बीर सुनि सहमत धीर, भूलत सरीर सुधि सक्र-रबि-राहु की ।
तेरी बाँह बसत बिसोक लोकपाल सब, तेरो नाम लेत रहै आरति न काहु की ।।
साम दान भेद बिधि बेदहू लबेद सिधि, हाथ कपिनाथ ही के चोटी चोर साहु की ।
आलस अनख परिहास कै सिखावन है, एते दिन रही पीर तुलसी के बाहु की ।।२८।।

टूकनि को घर-घर डोलत कँगाल बोलि, बाल ज्यों कृपाल नतपाल पालि पोसो है ।
कीन्ही है सँभार सार अँजनी कुमार बीर, आपनो बिसारि हैं न मेरेहू भरोसो है ।।
इतनो परेखो सब भाँति समरथ आजु, कपिराज साँची कहौं को तिलोक तोसो है ।
सासति सहत दास कीजे पेखि परिहास, चीरी को मरन खेल बालकनि को सो है ।।२९।।

आपने ही पाप तें त्रिपात तें कि साप तें, बढ़ी है बाँह बेदन कही न सहि जाति है ।
औषध अनेक जन्त्र मन्त्र टोटकादि किये, बादि भये देवता मनाये अधिकाति है ।।
करतार, भरतार, हरतार, कर्म काल, को है जगजाल जो न मानत इताति है ।
चेरो तेरो तुलसी तू मेरो कह्यो राम दूत, ढील तेरी बीर मोहि पीर तें पिराति है ।।३०।।

दूत राम राय को, सपूत पूत बाय को, समत्व हाथ पाय को सहाय असहाय को ।
बाँकी बिरदावली बिदित बेद गाइयत, रावन सो भट भयो मुठिका के घाय को ।।
एते बड़े साहेब समर्थ को निवाजो आज, सीदत सुसेवक बचन मन काय को ।
थोरी बाँह पीर की बड़ी गलानि तुलसी को, कौन पाप कोप, लोप प्रकट प्रभाय को ।।३१।।

देवी देव दनुज मनुज मुनि सिद्ध नाग, छोटे बड़े जीव जेते चेतन अचेत हैं ।
पूतना पिसाची जातुधानी जातुधान बाम, राम दूत की रजाइ माथे मानि लेत हैं ।।
घोर जन्त्र मन्त्र कूट कपट कुरोग जोग, हनुमान आन सुनि छाड़त निकेत हैं ।
क्रोध कीजे कर्म को प्रबोध कीजे तुलसी को, सोध कीजे तिनको जो दोष दुख देत हैं ।।३२।।

तेरे बल बानर जिताये रन रावन सों, तेरे घाले जातुधान भये घर-घर के ।
तेरे बल रामराज किये सब सुरकाज, सकल समाज साज साजे रघुबर के ।।
तेरो गुनगान सुनि गीरबान पुलकत, सजल बिलोचन बिरंचि हरि हर के ।
तुलसी के माथे पर हाथ फेरो कीसनाथ, देखिये न दास दुखी तोसो कनिगर के ।।३३।।

पालो तेरे टूक को परेहू चूक मूकिये न, कूर कौड़ी दूको हौं आपनी ओर हेरिये ।
भोरानाथ भोरे ही सरोष होत थोरे दोष, पोषि तोषि थापि आपनी न अवडेरिये ।।
अँबु तू हौं अँबुचर, अँबु तू हौं डिंभ सो न, बूझिये बिलंब अवलंब मेरे तेरिये ।
बालक बिकल जानि पाहि प्रेम पहिचानि, तुलसी की बाँह पर लामी लूम फेरिये ।।३४।।

घेरि लियो रोगनि, कुजोगनि, कुलोगनि ज्यौं, बासर जलद घन घटा धुकि धाई है ।
बरसत बारि पीर जारिये जवासे जस, रोष बिनु दोष धूम-मूल मलिनाई है ।।
करुनानिधान हनुमान महा बलवान, हेरि हँसि हाँकि फूँकि फौजैं ते उड़ाई है ।
खाये हुतो तुलसी कुरोग राढ़ राकसनि, केसरी किसोर राखे बीर बरिआई है ।।३५।।

सवैया

राम गुलाम तु ही हनुमान गोसाँई सुसाँई सदा अनुकूलो ।
पाल्यो हौं बाल ज्यों आखर दू पितु मातु सों मंगल मोद समूलो ।।
बाँह की बेदन बाँह पगार पुकारत आरत आनँद भूलो ।
श्री रघुबीर निवारिये पीर रहौं दरबार परो लटि लूलो ।।३६।।

घनाक्षरी

काल की करालता करम कठिनाई कीधौं, पाप के प्रभाव की सुभाय बाय बावरे ।
बेदन कुभाँति सो सही न जाति राति दिन, सोई बाँह गही जो गही समीर डाबरे ।।
लायो तरु तुलसी तिहारो सो निहारि बारि, सींचिये मलीन भो तयो है तिहुँ तावरे ।
भूतनि की आपनी पराये की कृपा निधान, जानियत सबही की रीति राम रावरे ।।३७।।

पाँय पीर पेट पीर बाँह पीर मुँह पीर, जरजर सकल पीर मई है ।
देव भूत पितर करम खल काल ग्रह, मोहि पर दवरि दमानक सी दई है ।।
हौं तो बिनु मोल के बिकानो बलि बारेही तें, ओट राम नाम की ललाट लिखि लई है ।
कुँभज के किंकर बिकल बूढ़े गोखुरनि, हाय राम राय ऐसी हाल कहूँ भई है ।।३८।।

बाहुक-सुबाहु नीच लीचर-मरीच मिलि, मुँहपीर केतुजा कुरोग जातुधान हैं ।
राम नाम जगजाप कियो चहों सानुराग, काल कैसे दूत भूत कहा मेरे मान हैं ।।
सुमिरे सहाय राम लखन आखर दोऊ, जिनके समूह साके जागत जहान हैं ।
तुलसी सँभारि ताड़का सँहारि भारि भट, बेधे बरगद से बनाइ बानवान हैं ।।३९।।

बालपने सूधे मन राम सनमुख भयो, राम नाम लेत माँगि खात टूकटाक हौं ।
परयो लोक-रीति में पुनीत प्रीति राम राय, मोह बस बैठो तोरि तरकि तराक हौं ।।
खोटे-खोटे आचरन आचरत अपनायो, अंजनी कुमार सोध्यो रामपानि पाक हौं ।
तुलसी गुसाँई भयो भोंडे दिन भूल गयो, ताको फल पावत निदान परिपाक हौं ।।४०।।

असन-बसन-हीन बिषम-बिषाद-लीन, देखि दीन दूबरो करै न हाय हाय को ।
तुलसी अनाथ सो सनाथ रघुनाथ कियो, दियो फल सील सिंधु आपने सुभाय को ।।
नीच यहि बीच पति पाइ भरु हाईगो, बिहाइ प्रभु भजन बचन मन काय को ।
ता तें तनु पेषियत घोर बरतोर मिस, फूटि फूटि निकसत लोन राम राय को ।।४१।।

जीओं जग जानकी जीवन को कहाइ जन, मरिबे को बारानसी बारि सुरसरि को ।
तुलसी के दुहूँ हाथ मोदक हैं ऐसे ठाँउ, जाके जिये मुये सोच करिहैं न लरि को ।।
मोको झूटो साँचो लोग राम को कहत सब, मेरे मन मान है न हर को न हरि को ।
भारी पीर दुसह सरीर तें बिहाल होत, सोऊ रघुबीर बिनु सकै दूर करि को ।।४२।।

सीतापति साहेब सहाय हनुमान नित, हित उपदेश को महेस मानो गुरु कै ।
मानस बचन काय सरन तिहारे पाँय, तुम्हरे भरोसे सुर मैं न जाने सुर कै ।।
ब्याधि भूत जनित उपाधि काहु खल की, समाधि कीजे तुलसी को जानि जन फुर कै ।
कपिनाथ रघुनाथ भोलानाथ भूतनाथ, रोग सिंधु क्यों न डारियत गाय खुर कै ।।४३।।

कहों हनुमान सों सुजान राम राय सों, कृपानिधान संकर सों सावधान सुनिये ।
हरष विषाद राग रोष गुन दोष मई, बिरची बिरञ्ची सब देखियत दुनिये ।।
माया जीव काल के करम के सुभाय के, करैया राम बेद कहैं साँची मन गुनिये ।
तुम्ह तें कहा न होय हा हा सो बुझैये मोहि, हौं हूँ रहों मौनही बयो सो जानि लुनिये ।।४४।।

Hanuman Bahuk Lyrics in English PDF

Shreeganeshaay Namah
Shreejaanakeevallabho Vijayate
Shreemad-gosvaamee-tulaseedaas-krt

Chhappay

Sindhu-taran, Siy-soch-haran, Rabi-baal-baran Tanu .
Bhuj Bisaal, Moorati Karaal Kaalahuko Kaal Janu ..
Gahan-dahan-niradahan Lank Nihsank, Bank-bhuv .
Jaatudhaan-balavaan-maan-mad-davan Pavanasuv ..

Kah Tulasidaas Sevat Sulabh Sevak Hit Santat Nikat .
Gun-ganat, Namat, Sumirat, Japat Saman Sakal-sankat-vikat ..1..

Svarn-sail-sankaas Koti-rabi-tarun-tej-ghan .
Ur Bisaal Bhuj-dand Chand Nakh-bajr Bajr-tan ..
Ping Nayan, Bhrkutee Karaal Rasana Dasanaanan .
Kapis Kes, Karakas Langoor, Khal-dal Bal Bhaanan ..
Kah Tulasidaas Bas Jaasu Ur Maarutasut Moorati Bikat .
Santaap Paap Tehi Purush Pahin Sapanehun Nahin Aavat Nikat ..2..

Jhoolana

Panchamukh-chhamukh-bhrgu Mukhy Bhat Asur Sur, Sarv-sari-samar Samaratth Sooro .
Baankuro Beer Birudait Birudaavalee, Bed Bandee Badat Paijapooro ..
Jaasu Gunagaath Raghunaath Kah, Jaasubal, Bipul-jal-bharit Jag-jaladhi Jhooro .
Duvan-dal-damanako Kaun Tulasees Hai, Pavan Ko Poot Rajapoot Ruro ..3..

Ghanaaksharee

Bhaanuson Padhan Hanumaan Gaye Bhaanu Man-anumaani Sisu-keli Kiyo Pheraphaar So .
Paachhile Pagani Gam Gagan Magan-man, Kram Ko Na Bhram, Kapi Baalak Bihaar So ..
Kautuk Biloki Lokapaal Hari Har Bidhi, Lochanani Chakaachaundhee Chittani Khabhaar So.
Bal Kaindhaun Beer-ras Dheeraj Kai, Saahas Kai, Tulasee Sareer Dhare Sabani Ko Saar So ..4..

Bhaarat Mein Paarath Ke Rath Kethoo Kapiraaj, Gaajyo Suni Kururaaj Dal Hal Bal Bho .
Kahyo Dron Bheesham Sameer Sut Mahaabeer, Beer-ras-baari-nidhi Jaako Bal Jal Bho ..
Baanar Subhaay Baal Keli Bhoomi Bhaanu Laagi, Phalang Phalaang Hoonten Ghaati Nabhatal Bho .
Naee-naee Maath Jori-jori Haath Jodha Johain, Hanumaan Dekhe Jagajeevan Ko Phal Bho ..5..

Go-pad Payodhi Kari Holika Jyon Laee Lank, Nipat Nisank Parapur Galabal Bho .
Dron-so Pahaar Liyo Khyaal Hee Ukhaari Kar, Kanduk-jyon Kapi Khel Bel Kaiso Phal Bho ..
Sankat Samaaj Asamanjas Bho Ramaraaj, Kaaj Jug Poogani Ko Karatal Pal Bho .
Saahasee Samatth Tulasee Ko Naah Jaakee Baanh, Lokapaal Paalan Ko Phir Thir Thal Bho ..6..

Kamath Kee Peethi Jaake Godani Kee Gaadain Maano, Naap Ke Bhaajan Bhari Jal Nidhi Jal Bho .
Jaatudhaan-daavan Paraavan Ko Durg Bhayo, Mahaameen Baas Timi Tomani Ko Thal Bho ..
Kumbhakaran-raavan Payod-naad-eendhan Ko, Tulasee Prataap Jaako Prabal Anal Bho .
Bheesham Kahat Mere Anumaan Hanumaan, Saarikho Trikaal Na Trilok Mahaabal Bho ..7..

Doot Ramaraay Ko, Sapoot Poot Paunako, Too Anjanee Ko Nandan Prataap Bhoori Bhaanu So .

Seey-soch-saman, Durit Dosh Daman, Saran Aaye Avan, Lakhan Priy Praan So ..
Dasamukh Dusah Daridr Daribe Ko Bhayo, Prakat Tilok Ok Tulasee Nidhaan So .
Gyaan Gunavaan Balavaan Seva Saavadhaan, Saaheb Sujaan Ur Aanu Hanumaan So ..8..

Davan-duvan-dal Bhuvan-bidit Bal, Bed Jas Gaavat Bibudh Bandeechhor Ko .
Paap-taap-timir Tuhin-vighatan-patu, Sevak-saroruh Sukhad Bhaanu Bhor Ko ..
Lok-paralok Ten Bisok Sapane Na Sok, Tulasee Ke Hiye Hai Bharoso Ek Or Ko .
Ram Ko Dulaaro Daas Baamadev Ko Nivaas, Naam Kali-kaamataru Kesaree-kisor Ko ..9..

Mahaabal-seem Mahaabheem Mahaabaan It, Mahaabeer Bidit Baraayo Raghubeer Ko .
Kulis-kathor Tanu Joraparai Ror Ran, Karuna-kalit Man Dhaaramik Dheer Ko ..
Durjan Ko Kaalaso Karaal Paal Sajjan Ko, Sumire Haranahaar Tulasee Kee Peer Ko .
Seey-sukh-daayak Dulaaro Raghunaayak Ko, Sevak Sahaayak Hai Saahasee Sameer Ko ..10..

Rachibe Ko Bidhi Jaise, Paalibe Ko Hari, Har Meech Maaribe Ko, Jyaeebe Ko Sudhaapaan Bho .
Dharibe Ko Dharani, Tarani Tam Dalibe Ko, Sokhibe Krsaanu, Poshibe Ko Him-bhaanu Bho ..
Khal-duhkh Doshibe Ko, Jan-paritoshibe Ko, Maangibo Maleenata Ko Modak Sudaan Bho .
Aarat Kee Aarati Nivaaribe Ko Tihun Pur, Tulasee Ko Saaheb Hatheelo Hanumaan Bho ..11..

Sevak Syokaee Jaani Jaanakees Maanai Kaani, Saanukool Soolapaani Navai Naath Naank Ko .
Devee Dev Daanav Dayaavane Hvai Jorain Haath, Baapure Baraak Kaha Aur Raaja Raank Ko ..
Jaagat Sovat Baithe Baagat Binod Mod, Taake Jo Anarth So Samarth Ek Aank Ko .
Sab Din Ruro Parai Pooro Jahaan-tahaan Taahi, Jaake Hai Bharoso Hiye Hanumaan Haank Ko ..12..

Saanug Sagauri Saanukool Soolapaani Taahi, Lokapaal Sakal Lakhan Ram Jaanakee .
Lok Paralok Ko Bisok So Tilok Taahi, Tulasee Tamai Kaha Kaahoo Beer Aanakee ..
Kesaree Kisor Bandeechhor Ke Nevaaje Sab, Keerati Bimal Kapi Karunaanidhaan Kee .
Baalak-jyon Paalihain Krpaalu Muni Siddh Taako, Jaake Hiye Hulasati Haank Hanumaan Kee ..13..

Karunaanidhaan, Balabuddhi Ke Nidhaan Mod-mahima Nidhaan, Gun-gyaan Ke Nidhaan Hau .
Baamadev-rup Bhoop Ram Ke Sanehee, Naam Let-det Arth Dharm Kaam Nirabaan Hau ..
Aapane Prabhaav SeetaaRam Ke Subhaav Seel, Lok-bed-bidhi Ke Bidoosh Hanumaan Hau .
Man Kee Bachan Kee Karam Kee Tihoon Prakaar, Tulasee Tihaaro Tum Saaheb Sujaan Hau ..14..

Man Ko Agam, Tan Sugam Kiye Kapees, Kaaj Mahaaraaj Ke Samaaj Saaj Saaje Hain .
Dev-bandee Chhor Ranaror Kesaree Kisor, Jug Jug Jag Tere Birad Biraaje Hain .
Beer Barajor, Ghati Jor Tulasee Kee Or, Suni Sakuchaane Saadhu Khal Gan Gaaje Hain .
Bigaree Sanvaar Anjanee Kumaar Keeje Mohin, Jaise Hot Aaye Hanumaan Ke Nivaaje Hain ..15..

Savaiya

Jaan Siromani Hau Hanumaan Sada Jan Ke Man Baas Tihaaro .
Dhaaro Bigaaro Main Kaako Kaha Kehi Kaaran Kheejhat Haun To Tihaaro ..
Saaheb Sevak Naate To Haato Kiyo So Tahaan Tulasee Ko Na Chaaro .
Dosh Sunaaye Ten Aagehun Ko Hoshiyaar Hvain Hon Man Tau Hiy Haaro ..16..

Tere Thape Uthapai Na Mahes, Thapai Thirako Kapi Je Ghar Ghaale .
Tere Nivaaje Gareeb Nivaaj Biraajat Bairin Ke Ur Saale ..
Sankat Soch Sabai Tulasee Liye Naam Phatai Makaree Ke Se Jaale .
Boodh Bhaye, Bali, Merihi Baar, Ki Haari Pare Bahutai Nat Paale ..17..

Sindhu Tare, Bade Beer Dale Khal, Jaare Hain Lank Se Bank Mava Se .
Tain Rani-kehari Kehari Ke Bidale Ari-kunjar Chhail Chhava Se ..
Toson Samatth Susaaheb Seee Sahai Tulasee Dukh Dosh Dava Se .
Baanar Baaj ! Badhe Khal-khechar, Leejat Kyon Na Lapeti Lava-se ..18..

Achchh-vimardan Kaanan-bhaani Dasaanan Aanan Bha Na Nihaaro .
Baaridanaad Akampan Kumbhakarann-se Kunjar Kehari-baaro ..
Ram-prataap-hutaasan, Kachchh, Bipachchh, Sameer Sameer-dulaaro .
Paap-ten Saap-ten Taap Tihoon-ten Sada Tulasee Kahan So Rakhavaaro ..19..

Ghanaaksharee

Jaanat Jahaan Hanumaan Ko Nivaajyau Jan, Man Anumaani Bali, Bol Na Bisaariye .
Seva-jog Tulasee Kabahun Kaha Chook Paree, Saaheb Subhaav Kapi Saahibee Sanbhaariye ..
Aparaadhee Jaani Keejai Saasati Sahas Bhaanti, Modak Marai Jo Taahi Maahur Na Maariye .
Saahasee Sameer Ke Dulaare Raghubeer Joo Ke, Baanh Peer Mahaabeer Begi Hee Nivaariye ..20..

Baalak Biloki, Bali Baareten Aapano Kiyo, Deenabandhu Daya Keenheen Nirupaadhi Nyaariye .
Raavaro Bharoso Tulasee Ke, Raavaroee Bal, Aas Raavareeyai Daas Raavaro Bichaariye ..
Bado Bikaraal Kali, Kaako Na Bihaal Kiyo, Maathe Pagu Bali Ko, Nihaari So Nivaariye .
Kesaree Kisor, Ranaror, Barajor Beer, Baanhupeer Raahumaatu Jyaun Pachhaari Maariye ..21..

Uthape Thapanathir Thape Uthapanahaar, Kesaree Kumaar Bal Aapano Sanbhaariye .
Ram Ke Gulaamani Ko Kaamataru Ramadoot, Mose Deen Doobare Ko Takiya Tihaariye ..
Saaheb Samarth Toson Tulasee Ke Maathe Par, Sooo Aparaadh Binu Beer, Baandhi Maariye .
Pokharee Bisaal Baanhu, Bali, Baarichar Peer, Makaree Jyaun Pakari Kai Badan Bidaariye ..22..

Ram Ko Saneh, Ram Saahas Lakhan Siy, Ram Kee Bhagati, Soch Sankat Nivaariye .
Mud-marakat Rog-baarinidhi Heri Haare, Jeev-jaamavant Ko Bharoso Tero Bhaariye ..
Koodiye Krpaal Tulasee Suprem-pabbayaten, Suthal Subel Bhaaloo Baithi Kai Bichaariye .
Mahaabeer Baankure Baraakee Baanh-peer Kyon Na, Lankinee Jyon Laat-ghaat Hee Marori Maariye ..23..

Lok-paralokahun Tilok Na Bilokiyat, Tose Samarath Chash Chaarihoon Nihaariye .
Karm, Kaal, Lokapaal, Ag-jag Jeevajaal, Naath Haath Sab Nij Mahima Bichaariye ..
Khaas Daas Raavaro, Nivaas Tero Taasu Ur, Tulasee So Dev Dukhee Dekhiyat Bhaariye .
Baat Tarumool Baanhusool Kapikachchhu-beli, Upajee Sakeli Kapikeli Hee Ukhaariye ..24..

Karam-karaal-kans Bhoomipaal Ke Bharose, Bakee Bakabhaginee Kaahoo Ten Kaha Daraigee .
Badee Bikaraal Baal Ghaatinee Na Jaat Kahi, Baanhoobal Baalak Chhabeele Chhote Chharaigee ..
Aaee Hai Banai Besh Aap Hee Bichaari Dekh, Paap Jaay Sabako Gunee Ke Paale Paraigee .
Pootana Pisaachinee Jyaun Kapikaanh Tulasee Kee, Baanhapeer Mahaabeer Tere Maare Maraigee ..25..

Bhaalakee Ki Kaalakee Ki Rosh Kee Tridosh Kee Hai, Bedan Bisham Paap Taap Chhal Chhaanh Kee .
Karaman Koot Kee Ki Jantr Mantr Boot Kee, Paraahi Jaahi Paapinee Maleen Man Maanh Kee ..
Paihahi Sajaay, Nat Kahat Bajaay Tohi, Baabaree Na Hohi Baani Jaani Kapi Naanh Kee .
Aan Hanumaan Kee Duhaee Balavaan Kee, Sapath Mahaabeer Kee Jo Rahai Peer Baanh Kee ..26..

Sinhika Sanhaari Bal, Surasa Sudhaari Chhal, Lankinee Pachhaari Maari Baatika Ujaaree Hai .
Lank Parajaari Makaree Bidaari Baarabaar, Jaatudhaan Dhaari Dhooridhaanee Kari Daaree Hai ..
Tori Jamakaatari Mandodaree Kadhori Aanee, Raavan Kee Raanee Meghanaad Mahantaaree Hai .
Bheer Baanh Peer Kee Nipat Raakhee Mahaabeer, Kaun Ke Sakoch Tulasee Ke Soch Bhaaree Hai ..27..

Tero Baali Keli Beer Suni Sahamat Dheer, Bhoolat Sareer Sudhi Sakr-rabi-raahu Kee .
Teree Baanh Basat Bisok Lokapaal Sab, Tero Naam Let Rahai Aarati Na Kaahu Kee ..
Saam Daan Bhed Bidhi Bedahoo Labed Sidhi, Haath Kapinaath Hee Ke Chotee Chor Saahu Kee .
Aalas Anakh Parihaas Kai Sikhaavan Hai, Ete Din Rahee Peer Tulasee Ke Baahu Kee ..28..

Tookani Ko Ghar-ghar Dolat Kangaal Boli, Baal Jyon Krpaal Natapaal Paali Poso Hai .
Keenhee Hai Sanbhaar Saar Anjanee Kumaar Beer, Aapano Bisaari Hain Na Merehoo Bharoso Hai ..
Itano Parekho Sab Bhaanti Samarath Aaju, Kapiraaj Saanchee Kahaun Ko Tilok Toso Hai .

Saasati Sahat Daas Keeje Pekhi Parihaas, Cheeree Ko Maran Khel Baalakani Ko So Hai ..29..

Aapane Hee Paap Ten Tripaat Ten Ki Saap Ten, Badhee Hai Baanh Bedan Kahee Na Sahi Jaati Hai .
Aushadh Anek Jantr Mantr Totakaadi Kiye, Baadi Bhaye Devata Manaaye Adhikaati Hai ..
Karataar, Bharataar, Harataar, Karm Kaal, Ko Hai Jagajaal Jo Na Maanat Itaati Hai .
Chero Tero Tulasee Too Mero Kahyo Ram Doot, Dheel Teree Beer Mohi Peer Ten Piraati Hai ..30..

Doot Ram Raay Ko, Sapoot Poot Baay Ko, Samatv Haath Paay Ko Sahaay Asahaay Ko .
Baankee Biradaavalee Bidit Bed Gaiyat, Raavan So Bhat Bhayo Muthika Ke Ghaay Ko ..
Ete Bade Saaheb Samarth Ko Nivaajo Aaj, Seedat Susevak Bachan Man Kaay Ko .
Thoree Baanh Peer Kee Badee Galaani Tulasee Ko, Kaun Paap Kop, Lop Prakat Prabhaay Ko ..31..

Devee Dev Danuj Manuj Muni Siddh Naag, Chhote Bade Jeev Jete Chetan Achet Hain .
Pootana Pisaachee Jaatudhaanee Jaatudhaan Baam, Ram Doot Kee Rajai Maathe Maani Let Hain ..
Ghor Jantr Mantr Koot Kapat Kurog Jog, Hanumaan Aan Suni Chhaadat Niket Hain .
Krodh Keeje Karm Ko Prabodh Keeje Tulasee Ko, Sodh Keeje Tinako Jo Dosh Dukh Det Hain ..32..

Tere Bal Baanar Jitaaye Ran Raavan Son, Tere Ghaale Jaatudhaan Bhaye Ghar-ghar Ke .
Tere Bal Ramaraaj Kiye Sab Surakaaj, Sakal Samaaj Saaj Saaje Raghubar Ke ..
Tero Gunagaan Suni Geerabaan Pulakat, Sajal Bilochan Biranchi Hari Har Ke .
Tulasee Ke Maathe Par Haath Phero Keesanaath, Dekhiye Na Daas Dukhee Toso Kanigar Ke ..33..

Paalo Tere Took Ko Parehoo Chook Mookiye Na, Koor Kaudee Dooko Haun Aapanee Or Heriye .
Bhoraanaath Bhore Hee Sarosh Hot Thore Dosh, Poshi Toshi Thaapi Aapanee Na Avaderiye ..
Anbu Too Haun Anbuchar, Anbu Too Haun Dimbh So Na, Boojhiye Bilamb Avalamb Mere Teriye .
Baalak Bikal Jaani Paahi Prem Pahichaani, Tulasee Kee Baanh Par Laamee Loom Pheriye ..34..

Gheri Liyo Rogani, Kujogani, Kulogani Jyaun, Baasar Jalad Ghan Ghata Dhuki Dhaee Hai .
Barasat Baari Peer Jaariye Javaase Jas, Rosh Binu Dosh Dhoom-mool Malinaee Hai ..
Karunaanidhaan Hanumaan Maha Balavaan, Heri Hansi Haanki Phoonki Phaujain Te Udaee Hai .
Khaaye Huto Tulasee Kurog Raadh Raakasani, Kesaree Kisor Raakhe Beer Bariaee Hai ..35..

Savaiya

Ram Gulaam Tu Hee Hanumaan Gosaanee Susaanee Sada Anukoolo .

Paalyo Haun Baal Jyon Aakhar Doo Pitu Maatu Son Mangal Mod Samoolo ..
Baanh Kee Bedan Baanh Pagaar Pukaarat Aarat Aanand Bhoolo .
Shree Raghubeer Nivaariye Peer Rahaun Darabaar Paro Lati Loolo ..36..

Ghanaaksharee

Kaal Kee Karaalata Karam Kathinaee Keedhaun, Paap Ke Prabhaav Kee Subhaay Baay Baavare .
Bedan Kubhaanti So Sahee Na Jaati Raati Din, Soee Baanh Gahee Jo Gahee Sameer Daabare ..
Laayo Taru Tulasee Tihaaro So Nihaari Baari, Seenchiye Maleen Bho Tayo Hai Tihun Taavare .
Bhootani Kee Aapanee Paraaye Kee Krpa Nidhaan, Jaaniyat Sabahee Kee Reeti Ram Raavare ..37..

Paany Peer Pet Peer Baanh Peer Munh Peer, Jarajar Sakal Peer Maee Hai .
Dev Bhoot Pitar Karam Khal Kaal Grah, Mohi Par Davari Damaanak See Daee Hai ..
Haun To Binu Mol Ke Bikaano Bali Baarehee Ten, Ot Ram Naam Kee Lalaat Likhi Laee Hai .
Kunbhaj Ke Kinkar Bikal Boodhe Gokhurani, Haay Ram Raay Aisee Haal Kahoon Bhee Hai ..38..

Baahuk-subaahu Neech Leechar-mareech Mili, Munhapeer Ketuja Kurog Jaatudhaan Hain .
Ram Naam Jagajaap Kiyo Chahon Saanuraag, Kaal Kaise Doot Bhoot Kaha Mere Maan Hain ..
Sumire Sahaay Ram Lakhan Aakhar Dooo, Jinake Samooh Saake Jaagat Jahaan Hain .
Tulasee Sanbhaari Taadaka Sanhaari Bhaari Bhat, Bedhe Baragad Se Banai Baanavaan Hain ..39..

Baalapane Soodhe Man Ram Sanamukh Bhayo, Ram Naam Let Maangi Khaat Tookataak Haun .
Parayo Lok-reeti Mein Puneet Preeti Ram Raay, Moh Bas Baitho Tori Taraki Taraak Haun ..
Khote-khote Aacharan Aacharat Apanaayo, Anjanee Kumaar Sodhyo Ramapaani Paak Haun .
Tulasee Gusaanee Bhayo Bhonde Din Bhool Gayo, Taako Phal Paavat Nidaan Paripaak Haun ..40..

Asan-basan-heen Bisham-bishaad-leen, Dekhi Deen Doobaro Karai Na Haay Haay Ko .
Tulasee Anaath So Sanaath Raghunaath Kiyo, Diyo Phal Seel Sindhu Aapane Subhaay Ko ..
Neech Yahi Beech Pati Pai Bharu Haeego, Bihai Prabhu Bhajan Bachan Man Kaay Ko .
Ta Ten Tanu Peshiyat Ghor Barator Mis, Phooti Phooti Nikasat Lon Ram Raay Ko ..41..

Jeeon Jag Jaanakee Jeevan Ko Kahai Jan, Maribe Ko Baaraanasee Baari Surasari Ko .
Tulasee Ke Duhoon Haath Modak Hain Aise Thaanu, Jaake Jiye Muye Soch Karihain Na Lari Ko ..
Moko Jhooto Saancho Log Ram Ko Kahat Sab, Mere Man Maan Hai Na Har Ko Na Hari Ko .
Bhaaree Peer Dusah Sareer Ten Bihaal Hot, Sooo Raghubeer Binu Sakai Door Kari Ko ..42..

Seetaapati Saaheb Sahaay Hanumaan Nit, Hit Upadesh Ko Mahes Maano Guru Kai .
Maanas Bachan Kaay Saran Tihaare Paany, Tumhare Bharose Sur Main Na Jaane Sur Kai ..
Byaadhi Bhoot Janit Upaadhi Kaahu Khal Kee, Samaadhi Keeje Tulasee Ko Jaani Jan Phur Kai .
Kapinaath Raghunaath Bholaanaath Bhootanaath, Rog Sindhu Kyon Na Daariyat Gaay Khur Kai ..43..

Kahon Hanumaan Son Sujaan Ram Raay Son, Krpaanidhaan Sankar Son Saavadhaan Suniye .
Harash Vishaad Raag Rosh Gun Dosh Maee, Birachee Biranchee Sab Dekhiyat Duniye ..
Maaya Jeev Kaal Ke Karam Ke Subhaay Ke, Karaiya Ram Bed Kahain Saanchee Man Guniye .
Tumh Ten Kaha Na Hoy Ha Ha So Bujhaiye Mohi, Haun Hoon Rahon Maunahee Bayo So Jaani Luniye ..44..